Publication	**The Economic Times**	**Language**	English
Edition	New Delhi	**Journalist**	PTI
Date	04/08/2025	**Page no**	9
CCM	13.35		

8 Coops Join Hands to Launch 'Bharat' Taxi Service, Onboard 200 Drivers

8 Coops Join Hands to Launch 'Bharat' Taxi Service, Onboard 200 Drivers

New Delhi: India's cooperative sector is set to challenge ride-hailing giants Ola and Uber with the launch of a taxi service under the brand Bharat by the end of this year, backed by ₹300 crore authorised capital and having already onboarded 200 drivers across four states.

The Multi-State Sahakari Taxi Cooperative Ltd, registered on June 6, represents a consortium of eight prominent cooperatives, including the National Cooperative Development Corporation (NCDC), Indian Farmers Fertilizer Cooperative Ltd (IFFCO), and Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation (GCMMF).

Last month, Cooperation Minister Amit Shah had indicated that a cooperative taxi service will be launched by the end of 2025, while unveiling a comprehensive cooperative policy for the sector. "The key objective is to ensure better returns to drivers and provide quality, safe and affordable services to passengers," NCDC Deputy managing director Rohit Gupta told PTI. — **PTI**

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**The Hindu Business Line**	**Language**	English
Edition	New Delhi	**Journalist**	PTI
Date	04/08/2025	**Page no**	2
CCM	25.94		

Eight co-ops join hands to launch Bharat taxi service

Eight co-ops join hands to launch Bharat taxi service

Press Trust of India
New Delhi

India's co-operative sector is set to challenge ride-hailing giants Ola and Uber with the launch of a taxi service under the brand Bharat by the end of this year, backed by ₹300 crore authorised capital.

The aggregator has onboarded 200 drivers across four States — Delhi, Gujarat, Uttar Pradesh, and Maharashtra.

The Multi-State Sahakari Taxi Co-operative Ltd, registered on June 6, represents a consortium of eight prominent cooperatives, including the National Co-operative Development Corporation (NCDC), Indian Farmers Fertilizer Co-operative Ltd (IFFCO), and Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation.

Last month, Union Co-operation Minister Amit Shah had indicated that a cooperative taxi service will be launched by the end of 2025, while unveiling a comprehensive cooperative policy for the sector.

KEY OBJECTIVE

"The key objective is to ensure better returns to drivers and provide quality, safe and affordable services to passengers," NCDC Deputy Managing Director Rohit Gupta told *PTI*.

The venture operates without any government stake, being entirely funded by the participating cooperatives.

The founding members also include Krishak Bharati Cooperative Ltd, National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), National Dairy Development Board (NDDB), and National Co-operative Exports Ltd (NCEL).

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Hindustan**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	04/08/2025	**Page no**	15
CCM	25.03		

Ola-Uber will now face challenge

ओला-उबर को अब मिलेगी चुनौती

तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सहकारी क्षेत्र इस वर्ष के अंत तक भारत ब्रांड के तहत टैक्सी सेवा शुरू करके ओला और उबर जैसी दिग्गज कंपनियों को चुनौती देने के लिए तैयार है। फिलहाल सेवा के लिए 300 करोड़ की पूंजी मिल चुकी है और चार राज्यों में 200 ड्राइवरों को पहले ही इससे जोड़ा जा चुका है।

बहु-राज्य सहकारी टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड के जरिए टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी। यह संघ बीते महीने 6 जून को पंजीकृत किया गया है। इसमें राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

■ आठ सहकारी समितियों ने टैक्सी सेवा शुरू करने के लिए हाथ मिलाया

(एनसीडीसी), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) और गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ सहित आठ प्रमुख सहकारी समितियां शामिल हैं। पिछले महीने, सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संकेत दिया था कि 2025 के अंत तक सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी।

एनसीडीसी के उप प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने बताया, सेवा का मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों को बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करना और यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और किफायती सेवाएं प्रदान करना है।

सहभागी सहकारी समितियों द्वारा वित्तपोषित: यह उद्यम पूरी तरह से सहभागी सहकारी समितियों द्वारा वित्त पोषित है। इसके संस्थापक सदस्यों में कृषक भारती सहकारी लिमिटेड, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड भी शामिल हैं। लगभग 200 चालक पहले ही सहकारी समिति में शामिल हो चुके हैं, जिनमें से 50-50 दिल्ली, गुजरात, यूपी और महाराष्ट्र से हैं।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Punjab Kesri**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	04/08/2025	**Page no**	8
CCM	38.18		

Eight cooperatives will start ' Bharat ' taxi service

'भारत' टैक्सी सेवा शुरू करेंगी आठ सहकारी समितियां

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारत का सहकारी क्षेत्र इस साल के अंत तक भारत ब्रांड के तहत टैक्सी सेवा शुरू करके ओला और उबर जैसी दिग्गज कम्पनियों को चुनौती देने के लिए तैयार है। इस सेवा को 300 करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी प्राप्त है और चार राज्यों में 200 ड्राइवरों (चालकों) को पहले ही इससे जोड़ा जा चुका है। छह जून को पंजीकृत बहु-राज्य सहकारी टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) और गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) सहित आठ प्रमुख सहकारी समितियों के एक संघ का प्रतिनिधित्व करता है।

पिछले महीने, सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस क्षेत्र के लिए एक व्यापक सहकारी नीति का अनावरण करते हुए संकेत दिया था कि 2025 के अंत तक एक सहकारी टैक्सी सेवा

- 200 चालकों को शामिल किया
- इस सेवा को 300 करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी प्राप्त है

शुरू की जाएगी।एनसीडीसी के उप प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, "मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों को बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करना और यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और किफायती सेवाएं प्रदान करना है।"

यह उद्यम बिना किसी सरकारी हिस्सेदारी के संचालित होता है और पूरी तरह से सहभागी सहकारी समितियों द्वारा वित्त पोषित है। इसके संस्थापक सदस्यों में कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), और राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि लगभग 200 चालक पहले ही सहकारी समिति में शामिल हो चुके हैं, जिनमें से 50-50 दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से हैं। सहकारी समिति अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए अन्य सहकारी संगठनों से सक्रिय रूप से संपर्क कर रही है। सहकारी संस्था ने 'राइड-हेलिं' ऐप विकसित करने के लिए एक प्रौद्योगिकी साझेदार चुनने हेतु एक निविदा जारी की है।

गुप्ता ने कहा, "हम कुछ ही दिनों में प्रौद्योगिकी साझेदार को अंतिम रूप दे देंगे।" उन्होंने आगे कहा कि ऐप दिसंबर तक तैयार होने की उम्मीद है। इस अखिल भारतीय मंच के लिए विपणन रणनीति तैयार करने हेतु एक प्रौद्योगिकी सलाहकार और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम)-बेंगलुरु को शामिल किया गया है।

****

Downloaded from
SAMVAD